नं० ५४८८ – घ

श्रीरामजीकाबारहमास

(हिन्दीकाव्यम)

पत्राणि ४४ संपूर्णम

नं० ५५ ~~६ — क~~

नं० ५४८६ — घ

श्रीरामजीकाबारा

मास (हिन्दीकाव्यम्)

पत्राणि — ४५ (संपूर्णम्)

~~नं. ९९८~~

९३

5489

F. 47

Complete

रामबारौंमास

नं० ११३

ॐ

लिपि टकरी
पत्राणि [illegible]
भाषा हिन्दी
श्री रामजी का बारहमासा

१

ॐश्रीरामायनमः॥ ॐचैत्रसिता
चिवतीफूलद्दीवनराम॥द
मरथकामनमोलियाराम
सिंचासनपार॥पौड़ी॥चैत्र
चंचलचडीवड्डार॥रामका

महिमाअपरअपार॥चादस
रणकेलीआओवतार॥केच
नमकुटविराजितवाल॥कुं
डलछूकारहेकोतोनाल॥
किमहिमारामकी॥प्रभके

रा॰ कमलोजैसैतेनौहावसिवे॰
२ लैश्रमतेवैन॥ रामवियोगी
2 साजनसैन॥ प्रभुकोभगतक
रोदैनवैन॥ मननतनश्रनरहे
वैचैन॥ किरामजवासिमनोः

तिल्लकदेविंदेज़ोनसवाई॥
वेतोंविविज़लोचमकदिषा॥
ई॥ प्रीग्रज्ञोयेयारामसहाई॥
दरामनकरदेतिनलकांई॥क
हदेयनक्रुमसल्मामाई॥जोंनम

ग्र.
३

भंजाया ॥ चरिदसायुदेवंद
नगाया ॥ नैतीमकवेडीमेग
लगाया ॥ ब्रह्ममहेश्वरदर्श
नपाया ॥ भेदभ्रमज्ञानगावी
श्राया ॥ मजाकरदोहुताचि

नेलाया॥ गोविंदज्ञानकै। याम
गुरुध्यानगरिग्राया॥ मनन
नेभग्रानंद॥ सेनाघदेफुला
सुउपज्या॥ उनरगाईसवांचेन
कैयाकरवैद्रत्रनेरेचउदा॥ दर

रा सतरैजागोविंदा ॥ जोकहता
४ सतासतहमाराजेसगाओराष
होसतवातिसकुंदा ॥ १ ॥ दोहरा ॥
रामचलेवनवासकोचडदे
मारिदैवसताष ॥ दसरथपपणाति

हारदीलैलैउमेसास ॥ पौउड़ी ॥
जिनकौप्रतविरागीपावै ॥
तिनकौमातापिताकिंजीवै ॥
पावहिश्रतनतपानीपीवै ॥
वसतरमैलेमदारथीवै ॥ ग

ग जा३८३८पंथ्यतकोवै ॥ पंथ
५ निद्रावहा ॥ दसाथ्य३८३८पं
5 थ्यतिहावै ॥ जमाथ्यभाभाइ
रूहमारै ॥ लैलैषाकसिरोवै
चडोरै ॥ मेरोकोयाककेइता

री ॥ मोसोंविछुरेरामपियारी
अबकबमिलाहिंगे ॥ प्रभुजो
कोतहाँईरातिमेरी ॥ तैंतांउठ
चलोसवेरी ॥ नृपारअबाधि
याभईअबैरी ॥ विपनेकल

रा माथुरीकेरी॥ दसरथनदेजारक
६ वैरी॥ परजाग्राबदी॥ ककेरी
6 मंदापापकमाया॥ रामउदा·
सीहैरिंदिया॥ सीनालछमा·
नंमंगामिपायाया॥ प्रभजीको

नामनदाभाया। द्देवावंधक्ष
उवनश्राया॥ श्रमयासिंचार-
ण॥ कैामलयामनमाद्दिमड
ककैरामननजरीयूवि॥ पल
पलजयामसमानमीनतिम-

ग॰
८
7

उधीरैतनविह्रावै ॥ मननतनबुत्र
रपयैतैमझ्यागै ॥ जोकोईरा
मामिलावै ॥ जोकदूरामनाम
इघमाया ॥ अजप्याजव॰
लगाप्रभनहीआवै ॥ दोहरा ॥ २

जेठजगावैखामूज्योमातारा

मोवियोगा॥गामाविलेखनवां

मकोमर्दिग्रजग्यामेगा॥पोठी

ग्रांविचगा[illegible]नतजरीग्रावै॥

मंकोमतम्यागेगेभावे॥चंगा

रा
८
8

वसन्तरंगभातलावै॥ कोकल
चैदावसविह्रावै॥ वामस्त्र
ज्ख्यातनारीघ्रावै॥ माताउ
चारदी॥ जवरामदेस्वनोरा॰
ह्रिया॥ राजास्थीलोककौ

गाय्या॥ वचनककेईप्रसखि
राहिया॥ स्तनप्रजध्यामंदि
रभरया॥ छत्रसिंघासनघाली
परया॥ वसिष्टविचारदा॥ प्र
मजीहोरांविनवासी॥ ल

रा॰ ९ छमनवंथहोयासंगदासी ॥
ईकाकथ्राघनप्रभुग्रावेता
9 सी ॥ गोविंदजानके ॥ जिथुरै
नवसेराग्रावे ॥ लछमनाते
नकेनोरालियावे ॥ प्रभुकेग्रा

सततलेविछावै ॥ इद्रासत
कीरीतिकुमावै ॥ पाउमले
लिखारैणांविद्दावै ॥ सेवायान
को ॥ मंत्रीआमीलकेमतल
निकीनी ॥ वैटवासिहमनाई ॥

११

१०

वसदात्तनवामाविनड्ढोई ॥ ष
भक्तियाकीनाजाई ॥ नालव
सिषलिषीवसियातो ॥ देते
तेतनपवाई ॥ जोकरुवामना:
मकसमोरभरण्वत ॥ पातो

परचीजाहि ॥३॥ दोहरा ॥ पातीदे
घतभरथजीविरापरूचेज्याहि ॥५
हतनरुउज्याटेषकेकरेलेक
रनपलाहि ॥ चोझी ॥ हाठेभ·
रथदहादहाराकेरे ॥ आगेकेरी

रा. देखतताकरी॥ सीतैभादि
॥ कलेजामरी॥ किंकरिपाउ
भ्रज्याधावरो॥ बरदाग्राया
ग्रपतघरो॥ जद्याकोकासी॥
घ्रसीकेकर्भरयातेदारी॥

मातादसोदकीकैसारी ॥ १
हकियाभयातियाङ्गीहमा
री ॥ राजेश्वहपतकोईनारी ॥
सागणापियानारीसारी ॥
हहाकियाहोराया ॥ ककेईने

गु॰ वेद्कवचनसहितायै ॥ तत्त्वसि
१२ मस्यहस्मोजायै ॥ दुर्घाट
मैषतजमायै ॥ देवद्वीते
दसायभायायै ॥ जामेसंगोह्
रुषमायायै ॥ विगयामसवस्तो ॥

लछमनताणमनारिंपरदेस॥प
रजाकीनैमेलेवेस॥गलवि
वेघ्रलेपाटकेस॥रहदेचिंता
लोकहमेस॥जेप्रभश्रावेह
मेरेसदेस॥तोहमाराजीव·

ग. १३ हतोदकोकनस्मारोभरथ्या
जीवतोभार्यश्रमाद्वे॥ वाम:
चेद्रवतवामस्मिधार्य॥ राजे
प्रानस्मातो॥ श्रवद्धनवेगस्मि
वासतनभृता॥ लाभोकेदस्र

13

साई॥जीकहुरामनामसहि·
नीभरथजेवंमाहिप्रेमकी·
जागै॥४॥दोहरा॥भउकोभा·
हिपरेमुकीप्रेमवचनसुने॥
वसहमारेहैतहांजेप्रवदेसा

ग नतेजे ॥ कौडी ॥ सावाणस्थिया
१५ मचटाजेग्राहया ॥ रोएदिती
याभरणइहास्थिया ॥ मंदाकी
नोमैनालसाहया ॥ पश्चावे
छोडासाकियाभाहया ॥ बेमाम

लीयैवामजेद्दासघदाध्या ॥
ह्रीमैकियाकरा ॥ ततविव
भेओकलगीभरोकारी ॥ ल
गाचाउकलेजेभारी ॥ फूल:
मैमरसाघाईकटारी ॥ रामवि

रा: छोडीछातेसाडी ॥ जिऊफु
१५ लाकोकुमलातो ॥ वातोभं:
15 श्रिअजुध्यासारी ॥ रामजीते ।
विना ॥ चउदेसावतधेलावा
सत ॥ मेतैनरामतनेरासत

विजुलीयाकउकराव्रदंखर
सन॥वार्गामुवरवरद्दानाकरास
न॥जेप्रभृरीयाग्रसानदरास
न॥नोहमाराजीवना॥प्रभजी
मोपरिकृपाकराद्द॥उत्तविः

रा·
१६

ओंअंहृमागादिरढ़ ।। पावेत्र·
ज्यानतारीयरढ़ ।। सिंवात
नैवेटश्रालनकरढ़ ।। भोप
विक्रिपानजरादीकराढ़ ।। प
तिनउपारोया ।। पातिनउरा·

16

रननामतनमारा ॥ नामैपकी
यानमानाइवारा ॥ कीविवत
तीभरयांविचारा ॥ नमाविन
श्रवरनकोईटनारा ॥ प्रभजी
कीजेपरउपकारा ॥ रामन॰

ग. दीजीये॥प्रभजीभरथविनः
१८ नीकरी॥किरातीतैननंतीर
नघरी॥इलकानालाविह्लावैघ
री॥तामांविछोजापावेतहरी॥
जैविधतैमताह्लाधयी॥तामे

ङ्गाकियाकरा ॥ नगारश्रव·
ख्याभयाविओरी ॥ पलपल
कहूकके हीयिग्रहै ॥ मानाज
मतमातायिग्रहै ॥ प्रीतश्रवी
ही ॥ रामचेद्रवतनवामासियाई ॥

रा॰
१८ मानृसमातकहैहरी॥ जोकह
रामनामभरथवनइरिया॥
अधिकप्रीतिहोंहि॥५॥दोह
रा॥ भाद्रोआयोजगानमैंवि
जलोलसकइगांई॥ ईहोवि॰

18

छोञारामकामोपेसहिस्रा॰

नेञाथि॥पैकी॥स्राथाभोद्रे॰

माहिंपियारा॥ह्रींथाभराय

उदासविचारा॥किनविधि

हासमथ्यांतियारा॥जिस

रा॰

१९ तेजुपदादैजगमाता॥ सोई
रामहै॥ जिसकोरामनहोवे
भाई॥ सेजानिसतकरहेलक
ई॥ जाणइमानोपिनाब्रह्मा
यो॥ वाजेरामनहोवसदाई॥

19

हृरिवितनसगालीवसतनपार्थी ॥
किसैनकामैदे ॥ मातानजके
भणांसेयाश्या ॥ डोटियाचः
रिथ्याउचैक्रावार्थियाया ॥ पैवी
नेमीवाहरीग्रार्थियाया ॥ मैः

१. मैंश्रेमावचतमहताायाा।।वे
२. श्रामहै।। मानामतमेपछ्रा
नावे।। वेलाछ्राडियाद्दथतश्रा
वै।। किंमेत्रुयेश्रेडेदावे।।मेए
मपयताजकमावे।।वाया

कुसल्यानरसाद्दावै॥ बाकद्द
भणनैतैनाविद्दावै॥ मैनका
योवसततभागै॥ जोसघदा
मैहै॥ कोताग्रपतालायया:
ग्रापे॥ कहैकवैह्रैमाता॥

१० जिसकारणामैजलाया ॥
११ जोरामनामरंगरातानाकाहै ॥
कोमैपियहृदवलीना ॥ भला
भगानहीमाना ॥ जीकछुया
मनामसमालजगातावजित

थिरुनामपछाता ॥ ६ ॥ दोहरा
श्रुरकीपितिदेषकेदीयाम
रथतेरोयि ॥ जिद्ववनश्रीरा
मजीतिद्ववतकार्यारोयि
पौडी ॥ श्रुरमरथकरीदेराये

ए. सगलजुगधार्मैंगासिपायो ॥
११ भयधनबड़दामैंउनपायो ॥
सैंगावलाहैंगेजेरखायो ॥
नहोयमादिति ॥ वतमेजाई
भयजवडे ॥ चरनाउपर

मायाथे ॥ अपनेसगलवेत
तोकरे ॥ अमजीमेकियाओ
गनकरे ॥ मैतोचनतमारेफ
डे ॥ मोहिउधारीयो ॥ अमजी
तमकरिआयागावन ॥ वाली

वा रेहेश्रजधाभवत॥ सान्तस
११ स्त्वतमंदरसवत॥ तमाविः
23 नमीतस्रमाडाकवत॥ क्रुले
श्राचउफेरपवत॥ लोक
सेताय॥ प्रभजीर्थिदृसेकः

रामभायि॥ कैकेयीनेचोरोदी
याकडायि॥ चलेब्रजध्यारु
पतिरायि॥ वैठसिंघासनरा
जकमायि॥ अपनीपराजास
घवसायि॥ राकोह्वायदै॥ राम

रा
२४

कैहैसातैभाईभरथा ॥ जान:
श्रसाड़ाताहो ॥ मातापिताव
नेबासरोयाहै ॥ कौकेरिचव
२५ मैजायी ॥ चौदाभरसमपव
एहैाबे ॥ राजमग्रजधापाई ॥

ओकरूरामननामयेकवध
वितनौसभणहिग्राघहता
यो॥७॥दोहा॥छोदावरम
विघ्नंतैहेपकपलज्ञगालमा
न॥ताधेचरागेलायेकेकहूँ

गु॰
१५

25

नदोवेजात ॥ पौडी ॥ कतेकद
यामजवधारी ॥ अपतेचर
नरुषगवेओतारी ॥ लोजोभ
रपमेमेहितकारी ॥ दासन
करेअनधामारी ॥ पाजाव

हतकरीदेलदारी ॥ ताखोउमो
नहमारी ॥ श्रागोभयथकरीश्र
रदास ॥ प्रभजीमैवनेदास
स ॥ नेरीपरजाकेरेविलास ॥
मैनाकरोत्रजरपावास ॥ जे

ग· चातवनविषे ॥ भायषडावा
१६ लैहषपाःया ॥ लेकेश्रोाया
26 चतश्राःया ॥ नेदगाोमे·
श्रामतपाःया ॥ नयतांचा
मनगहांमंगाःया ॥ पोाउ

परवाहटिकारगा॥राजेरामदे
राघसैचामनप्रजाकारदा॥
उपहधमनकेग्रटदाउदा॥व
नकेइघवेघवेपजारदा॥दाम
विनामरदा॥हैमैकियाका

गा॰
१२
२७

प्रभुजीत्रिगणकेऊपरासोईहै॥ मि
कियातलेविछायो॥ यती
उपरभरयाविराजे॥ दासरी॰
तकोचाई॥ वमतवातेत्रागल
योमन्याछाला॥ सेयपरजटा

वतायी ॥ जी कुड तामत ताम क
नकउवबीतीरितमीनको
भ्रा ॥ ८ ॥ दोहरा ॥ मघरमादिव
इरियापालेकीयाप्रवेस ॥
वनमेद्रनछवा किये भक

ग. रैवैटैटैस ॥ पोडी ॥ प्रभजीव:
१८ नेमैसैसवनाईया ॥ सतके
28 संतसवीचलिआईया ॥ दास
नकरकैमनविश्वनाईया ॥
साडेयाभायपानोयहुआया।

वेतमैरामजीप्रभुजीसंतादे:

इरवतिवारे॥ इष्टकत्रयीत्रुत

त्रेतमारे॥ घरतेहृष्टपकड

पक्षोडे॥ त्र्यपतेतेज्यतापः

दिषारे॥ समालमतीत्राभई

ए.
१९

सुधारे॥ क्रमरे ग्राणा॥ श्रभजीने
उपदेसदिइआँ॥ संतजनाकेरि
देनहाराहै॥ अनादिनभयातेक
रहिलिवलाई॥ भजनभिनज
नमस्रकारायजाई॥ हनकेस

नमवीचलिथ्राई॥लायोभजन
न॥प्रभुजीवनमहिवीतिचला
ई॥कह्योरजानउघायो॥पक।
दिनस्रुपनघामघ्रायी॥लछु
मनकेप्रभातिकटैवैटायो॥

१०
३०

लछमनताककटोग्रहासीग्रा
यी॥लछमनताककटोयिप
द्रायी॥रावनत्रागोहयीउद्दायी
लंकाज्ञायिके॥रहीणयाराव
णरामत्रापाजिया॥सीताहृ

30

लै आया॥ वेतअेसोकविविध
रवैठा॥ लीमतेसाजनवनाया
इतमानजायेगायाउपारि॥
या॥ लेकादाहकराया॥ जीक
इरामनामघभरोअमहृया

ए हैंयाज्ञयमचाईया ॥९॥ दोह
३१ रा ॥ लंकाफपेचलनाहरी
याकेमनतोहै ॥ षबरनकोई
भष्यत्रचडियामहीनापो
ह ॥ पौड़ी ॥ पाहमरमतीनसी

31

तेवलेरा ॥ प्रभजोग्रजेनकेता
पेरा ॥ भरथ्उजोकेमारगतेरा
रविशशिदूदभयोग्रतेरा ॥ मै
नुचांदतहेमघतेरा ॥ दासन
वोजिप ॥ मेककेरमोकिजा ·

ग॰ १या ॥ कैवैनह्लीगउक्नीजदूराघ
११ गा१या ॥ नीलाकटीयागल्ला
32 नगा१या ॥ रामावेनामे१ह्र
इघपाया ॥ माउमानुब्रसा
डम्रा१या ॥ जेमभनह्लोत्राव

दा॥ उमसै वनाविचिडे रेमारे
सात्वैठामनह्रविसारे ॥
प्रभविणसभेपप्तुवारे॥
रैनाविद्ावैगीनदियानारे॥
कटैपाउँगादरसनतुमारे॥

ग· श्रीवद्धतामजीतमटद्याम·
३३ रथपरपावद्ध॥ हसरोइः व
कलेसतेवाद्ध॥ पाउश्रज
यानगरीतावद्ध॥ सिंचासत
वेटश्ररालतकद्ध॥ वच·

नेकेकेईमतड्डविसारद्धे ॥ ह
गलीजीवग्रचतप्तिपारद्ध
सवहृविपावसी ॥ हृघउपः
ज्ञतडुघवितमतसेनड्डजे
तामत्रज्ञप्याग्रावे ॥ विपनद

रा. मारीह्रोवियातम॥ जोड्गिराव
२५ द्रामहिंघावे॥ केसत्माध्र्ग.
विचमंगालगावाहि॥ दामभि
३५
चामतपावे॥ श्रगंजनभग
मनकामेगो॥ प्रमकेमहघउ

पजावै ॥ १० ॥ दोहरा ॥ त्रिविउतरा

यलाछुा १ या चवे ३ प्रनीतवेह

१ ॥ ब्रलणभ १ यखला १ के ॥

कोतेदानम्रपार ॥ पोडी ॥ च

डटेमाहवं तेतसहा १ या ॥

९. बाबबूनाललसदंगाक्रनाइया
२४ मेरीइंदवसेघबजाइया॥प
35. भजीलंकाजातिसियाइया॥
डेराजाइसमइदपाइया॥म
नेसालेवोयो॥प्रभजीमव

सिवचतस्रतायै॥कर्किरो
डीवातरछ्रायै॥किलकाम
रतह्रातमह्रायै॥लघपह्रा·
डपुटिलायै॥दीपिविचवै
नापारलेवायै॥घवरीटा१

ग: यावगातार्इ।तातमज्ञय:
१९ कवतवृयार्इ॥पौंचैघतमा
36 दी॥इह्रांटलांदीपर्इलज्ञा:
इ॥ज्ञयकाकरापवतग्रता
इ॥सैतामारैयागतनकार्इ॥

लेकाफिरेगाहिरामदुद्राई॥ष
वाहेहयावावनराई॥ताजेल
कत॥हहमातेयामेदादरी॥
वाहेकोवतनतसमकाईया॥
पकनामेनेरावतिरापा॥मा

ल रैनेगाताल इया ॥ अपनात्मा
१० लकुटंवभलायेया ॥ रहदा
37 पकनजाणपाइया ॥ मपाव
नविच ॥ सतवतीजेसतेमंघी
पाथिकणनातिनकार्ह ॥ ले

कोसिरालकुटंवड्वाइया ॥
वैसारावणाराईं ॥ रामचंद्रदी
सरनीआयिया ॥ लंकाविभी
षनराई ॥ जोकिञ्जरामनामस
मुञ्चहरसेचारेहोयासेतस

रा. ह्राई ॥११॥ दोहरा ॥ लीनी राम प्र-
३८ तीति या सीता चंपा चूराई ॥ ह
38 रन रुति जे जे को रेथ न सी
या चूराई ॥ चौही ॥ कैसी पति
करा तन को ध्राई ॥ त्रि भुवन क

लहीवूनार्इ॥संतावेदेऽला
सवठाई॥अायगेडीकेखप
तिार्इ॥मायगाउपावैमाझो
कहिस्मञ्चावदा॥रावविमो
बातासंतवुलायथा॥ओसतम

ग० ववियिकादिसमकाइया॥ प
२२ हिपविमानोविभीघ्नसिद्धा
३१ ईया॥ सीतालक्ष्मनसंग्रावड
ईया॥ देवतियाजैकावडला
ईया॥ प्रभजौलेकाजातोस

पाईया ॥ ग्रहणासिंचारणे ॥ जैं:
कोरिफूलोबागाबसंत ॥ प्रभती
सैताचडीविघ्रंत ॥ हीरेमोती
लालजडंत ॥ अचरजदेषीक
मलाकेत ॥ नालाविभीषणदो

ग रयासंत ॥ सथसंनहोईकै ॥ धंन
घं· महानथनवहाव ॥ प्रभुजीद
40 पतोउतरेपार ॥ छवरीहोइया
भरथउद्धार ॥ सनकादकोने
दानत्रपार ॥ परकीवासोस

भभंतयाय॥ ग्योमिलनको
हीनाहोगेटरासनेवोसभ
श्रावाहि॥ कंचनमोतोमती।
लिश्रावाहि॥ प्रभुनदेबमहा
हबपावाहि॥ उपेनाचकन

ग॰ जलत्राबाहि॥ जेलेबाहिदा
षा नत्र॥ कौसल्याभ्रबावि मं·
गल्याबाहि॥ श्रल्यादिकस
५८ गलेमनमोहहि॥ त्रंथियारी
तैचानतिदोहि॥ जसमनहः

नेर्हृताकोई॥ चोदांवरसांमिं·
लांमईया॥ रामप्रजण्णावा
सांलईया॥ मांताड्रिरामभरथे
जेतोईया॥ प्रेमभनमेवदी॥
मेलाताममभरथदामईया॥

रा संसारोगसगालामिहिटारैया।
५२ रमककेरदीपैपीपरैया॥
दैघस्तामिचामनोविरामरैया।
52 प्रभविनकेनकरसीदरैया।
उपावीपातेनको॥ रामकृत

स्त्रां मं द्रव्यार्हिया॥ मानसारो
मध्यानिवार्हिया॥ कर्धाति·
क्षुवनीतिविवणसार्हिया॥ ली
या सिंवासनरामवैर्हिया॥
माधातिलकवामिठलमार्ह॥

ए. या॥राजैरामदे॥गौतिपीह

४३ अपनैवरगे॥प्रभकौआि

यापाई॥ह्रीरैमोतीलालज

43 वाहरा॥देकुसलामाई॥७१

विचयावककारानरनेश्रा

वैदानलेजोपाई ॥ दोहरा ॥ जाव
काह्नेहमेसि ॥ रंकनरहोन
कोई ॥ हरदासकीवेनती ॥ प
भुदरसनद्वाराहोई ॥ १५ ॥ इति
श्रीरामजीकावारामहासंपूर्णम्